एमएमपीएफ - 010

मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) / मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (ऑनलाइन) MBA(OL) / मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (फ़ाइनेंशियल मैनेजमेंट) (MBAFM) / पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फ़ाइनेंशियल मैनेजमेंट (PGDIFM)

सत्रीय कार्य

2026-2027

जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्र

एमएमपीएफ - 010: मुद्रा एवं ऋण बाज़ार

(सत्रीय कार्य को जमा करने के लिए जुलाई 2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 है और जनवरी 2027 के लिए 30 अप्रैल 2027 है)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एमएमपीफ -010**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**मुद्रा एवं ऋण बाज़ार**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**एमएमपीफ -010/टी. एम. ए./ जुलाई /2026-27**

नोट: सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए तथा यह सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा कीजिए। जुलाई 2026 सत्र हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तथा जनवरी 2027 सत्र हेतु 30 अप्रैल 2027 है।

1. मुद्रा युग्मों (Currency Pairs) के अर्थ एवं वर्गीकरण की व्याख्या कीजिए। विदेशी विनिमय बाज़ार (Foreign Exchange Market) में प्रयुक्त महत्वपूर्ण पारिभाषिक शब्दों की चर्चा कीजिए। प्रमुख (Major), गौण (Minor) तथा विशिष्ट (Exotic) मुद्रा युग्मों में उपयुक्त उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. मुद्रा डेरिवेटिव्स (Currency Derivatives) की अवधारणा, महत्व तथा प्रमुख उपयोगों की व्याख्या कीजिए। चर्चा कीजिए कि जोखिम आवरणकर्ता (Hedgers), सट्टेबाज़ (Speculators) तथा मध्यस्थ लाभ अर्जक (Arbitrageurs) जोखिम प्रबंधन, लाभ अर्जन तथा मूल्य-संशोधन के लिए मुद्रा डेरिवेटिव्स बाज़ार का किस प्रकार उपयोग करते हैं।

3. ऋण बाज़ार (Debt Market) की संरचना एवं वर्गीकरण का परिपक्वता अवधि (Maturity), बाज़ार अवस्था (Market Stage), निर्गमकर्ता (Issuer), साधन के प्रकार (Instrument Type), व्यापार तंत्र (Trading Mechanism) तथा निर्गम स्थान (Place of Issuance) के आधार पर वर्णन कीजिए। वर्गीकरण के प्रत्येक आधार के अंतर्गत आने वाले प्रमुख खंडों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. बॉण्ड मूल्यांकन (Bond Valuation) के मूलभूत सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। बॉण्ड के मूल्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों की चर्चा कीजिए तथा बॉण्ड मूल्यों एवं बाज़ार ब्याज दरों के मध्य विद्यमान प्रतिलोम संबंध (Inverse Relationship) को स्पष्ट कीजिए।

5. ब्याज दरों की अवधि संरचना (Term Structure of Interest Rates) की व्याख्या कीजिए। प्रतिफल वक्र (Yield Curve) के विभिन्न स्वरूपों तथा उनके आर्थिक निहितार्थों की चर्चा कीजिए। साथ ही, ब्याज दरों की अवधि संरचना से संबंधित प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।